

31/32

1002

45



6300 306999



Joint Vice President

वित्तिय विलेख

विक्रय मूल्य : रु० 11,56,532/-
 बाजार मूल्य : रु० 5,54,400/-
 रटान्म शुल्क : रु० 1,15,700/-
 परमाणु : विक्रय

यह वित्तिय विलेख कृष्णा नन्द यादव पुत्र स्व० श्री जगन्नाथ यादव, निवासी-ग्राम साहजडा, पत्तदा-सरसवा, पोस्ट-अर्जुनगंज, जिला ललनक जिन्हे अर्जुन विलेख कहल गया है.

कृष्णा नन्द यादव

For Signature of Joint Vice President
 Joint Vice President

www.elsevier.com/locate/jmb

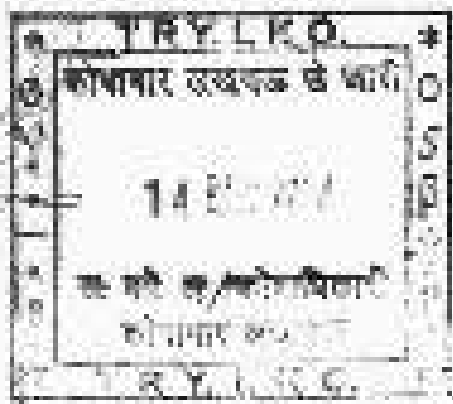
1. ~~...~~
 2. ~~...~~
 3. ~~...~~
 4. ~~...~~
 5. ~~...~~
 6. ~~...~~
 7. ~~...~~
 8. ~~...~~
 9. ~~...~~
 10. ~~...~~
 11. ~~...~~
 12. ~~...~~
 13. ~~...~~
 14. ~~...~~
 15. ~~...~~
 16. ~~...~~
 17. ~~...~~
 18. ~~...~~
 19. ~~...~~
 20. ~~...~~
 21. ~~...~~
 22. ~~...~~
 23. ~~...~~
 24. ~~...~~
 25. ~~...~~
 26. ~~...~~
 27. ~~...~~
 28. ~~...~~
 29. ~~...~~
 30. ~~...~~
 31. ~~...~~
 32. ~~...~~
 33. ~~...~~
 34. ~~...~~
 35. ~~...~~
 36. ~~...~~
 37. ~~...~~
 38. ~~...~~
 39. ~~...~~
 40. ~~...~~
 41. ~~...~~
 42. ~~...~~
 43. ~~...~~
 44. ~~...~~
 45. ~~...~~
 46. ~~...~~
 47. ~~...~~
 48. ~~...~~
 49. ~~...~~
 50. ~~...~~
 51. ~~...~~
 52. ~~...~~
 53. ~~...~~
 54. ~~...~~
 55. ~~...~~
 56. ~~...~~
 57. ~~...~~
 58. ~~...~~
 59. ~~...~~
 60. ~~...~~
 61. ~~...~~
 62. ~~...~~
 63. ~~...~~
 64. ~~...~~
 65. ~~...~~
 66. ~~...~~
 67. ~~...~~
 68. ~~...~~
 69. ~~...~~
 70. ~~...~~
 71. ~~...~~
 72. ~~...~~
 73. ~~...~~
 74. ~~...~~
 75. ~~...~~
 76. ~~...~~
 77. ~~...~~
 78. ~~...~~
 79. ~~...~~
 80. ~~...~~
 81. ~~...~~
 82. ~~...~~
 83. ~~...~~
 84. ~~...~~
 85. ~~...~~
 86. ~~...~~
 87. ~~...~~
 88. ~~...~~
 89. ~~...~~
 90. ~~...~~
 91. ~~...~~
 92. ~~...~~
 93. ~~...~~
 94. ~~...~~
 95. ~~...~~
 96. ~~...~~
 97. ~~...~~
 98. ~~...~~
 99. ~~...~~
 100. ~~...~~

1. ~~...~~
 2. ~~...~~
 3. ~~...~~
 4. ~~...~~
 5. ~~...~~
 6. ~~...~~
 7. ~~...~~
 8. ~~...~~
 9. ~~...~~
 10. ~~...~~
 11. ~~...~~
 12. ~~...~~
 13. ~~...~~
 14. ~~...~~
 15. ~~...~~
 16. ~~...~~
 17. ~~...~~
 18. ~~...~~
 19. ~~...~~
 20. ~~...~~
 21. ~~...~~
 22. ~~...~~
 23. ~~...~~
 24. ~~...~~
 25. ~~...~~
 26. ~~...~~
 27. ~~...~~
 28. ~~...~~
 29. ~~...~~
 30. ~~...~~
 31. ~~...~~
 32. ~~...~~
 33. ~~...~~
 34. ~~...~~
 35. ~~...~~
 36. ~~...~~
 37. ~~...~~
 38. ~~...~~
 39. ~~...~~
 40. ~~...~~
 41. ~~...~~
 42. ~~...~~
 43. ~~...~~
 44. ~~...~~
 45. ~~...~~
 46. ~~...~~
 47. ~~...~~
 48. ~~...~~
 49. ~~...~~
 50. ~~...~~
 51. ~~...~~
 52. ~~...~~
 53. ~~...~~
 54. ~~...~~
 55. ~~...~~
 56. ~~...~~
 57. ~~...~~
 58. ~~...~~
 59. ~~...~~
 60. ~~...~~
 61. ~~...~~
 62. ~~...~~
 63. ~~...~~
 64. ~~...~~
 65. ~~...~~
 66. ~~...~~
 67. ~~...~~
 68. ~~...~~
 69. ~~...~~
 70. ~~...~~
 71. ~~...~~
 72. ~~...~~
 73. ~~...~~
 74. ~~...~~
 75. ~~...~~
 76. ~~...~~
 77. ~~...~~
 78. ~~...~~
 79. ~~...~~
 80. ~~...~~
 81. ~~...~~
 82. ~~...~~
 83. ~~...~~
 84. ~~...~~
 85. ~~...~~
 86. ~~...~~
 87. ~~...~~
 88. ~~...~~
 89. ~~...~~
 90. ~~...~~
 91. ~~...~~
 92. ~~...~~
 93. ~~...~~
 94. ~~...~~
 95. ~~...~~
 96. ~~...~~
 97. ~~...~~
 98. ~~...~~
 99. ~~...~~
 100. ~~...~~



...

1. ~~...~~
 2. ~~...~~
 3. ~~...~~
 4. ~~...~~
 5. ~~...~~
 6. ~~...~~
 7. ~~...~~
 8. ~~...~~
 9. ~~...~~
 10. ~~...~~
 11. ~~...~~
 12. ~~...~~
 13. ~~...~~
 14. ~~...~~
 15. ~~...~~
 16. ~~...~~
 17. ~~...~~
 18. ~~...~~
 19. ~~...~~
 20. ~~...~~
 21. ~~...~~
 22. ~~...~~
 23. ~~...~~
 24. ~~...~~
 25. ~~...~~
 26. ~~...~~
 27. ~~...~~
 28. ~~...~~
 29. ~~...~~
 30. ~~...~~
 31. ~~...~~
 32. ~~...~~
 33. ~~...~~
 34. ~~...~~
 35. ~~...~~
 36. ~~...~~
 37. ~~...~~
 38. ~~...~~
 39. ~~...~~
 40. ~~...~~
 41. ~~...~~
 42. ~~...~~
 43. ~~...~~
 44. ~~...~~
 45. ~~...~~
 46. ~~...~~
 47. ~~...~~
 48. ~~...~~
 49. ~~...~~
 50. ~~...~~
 51. ~~...~~
 52. ~~...~~
 53. ~~...~~
 54. ~~...~~
 55. ~~...~~
 56. ~~...~~
 57. ~~...~~
 58. ~~...~~
 59. ~~...~~
 60. ~~...~~
 61. ~~...~~
 62. ~~...~~
 63. ~~...~~
 64. ~~...~~
 65. ~~...~~
 66. ~~...~~
 67. ~~...~~
 68. ~~...~~
 69. ~~...~~
 70. ~~...~~
 71. ~~...~~
 72. ~~...~~
 73. ~~...~~
 74. ~~...~~
 75. ~~...~~
 76. ~~...~~
 77. ~~...~~
 78. ~~...~~
 79. ~~...~~
 80. ~~...~~
 81. ~~...~~
 82. ~~...~~
 83. ~~...~~
 84. ~~...~~
 85. ~~...~~
 86. ~~...~~
 87. ~~...~~
 88. ~~...~~
 89. ~~...~~
 90. ~~...~~
 91. ~~...~~
 92. ~~...~~
 93. ~~...~~
 94. ~~...~~
 95. ~~...~~
 96. ~~...~~
 97. ~~...~~
 98. ~~...~~
 99. ~~...~~
 100. ~~...~~



03CC 384102

4

अपना सम्पूर्ण किरता अपने गृहे होशो हवास में ब्रेता को इत
 विक्रय विलेख द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेता उपरोक्त सम्पूर्ण
 भूमि के मालिक, कामिल व कारिज है एवं वर्तमान समय में उक्त
 भूमि कुमि भूमि है, और वह कि विक्रेता यह घोषित करता है कि
 उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व
 साफ है तथा विक्रेता ने उसे इस विक्रय के पूर्व कहीं नच, हिरा,
 गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि का
 उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यागारी के
 अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुर्क इत्यादि है।
 विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व,



8300-304103

- 9 -

इस का दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को उक्त विक्रय अनवरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रु० 11,56,522/- (ग्यारह लाख छपन हजार पाँच सौ बाईस रुपया मात्र) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त क्रेता द्वारा विक्रेता की इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेता सही स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त क्रेता के साथ उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस विक्रय विलेख के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को कदाई देव दिया है, एवं विक्रेता ने विक्रयशुदा भूमि का मौजो पर कब्जा



0258 419651

- 6 -

जंता को बखूबी बतल दिया गया है। अब जल आराजी पर विवेका तथा उसके गारिस्तान का कोई अधिकार नहीं है। विवेका ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए जंता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब जंता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने स्वामित्व, स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेगा। विवेका उसने किसी प्रकार की अड़बट बाधा नहीं डाल सकेगा एवं न ही कोई मांग कर सकेगा। और यदि विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग विवेका के स्वामित्व में नुस्ते के कारण या कानूनी अड़बट या कानूनी नुस्ते के



-7-

कारण ज्ञेता का उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कर्ज का अधिकार या स्वत्व से निष्कल जाये तो खेता उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि की यह हक होगा कि वह अपना सम्पत्ति नुकसान मरु हर्जा व सर्वा, विवेका की चल, अचल सम्पत्ति से जरिये अदालत वसूल कर ले। उक्त स्थित में विक्रेता एवं उसके वारिसान हर्जा व सर्वा देने हेतु बाध्य होगा।

यह कि ज्ञेता विक्रयशुदा सम्पत्ति की दायित्व खातिर राज्यस्थ अनिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विवेका के पूर्ण का अगर

For Signature Director & Public Officer, 1/10

[Signature]

Jointly with the Director

22/10/1914



- 8 -

कोई बकाया किसी तरह का भाट इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेता भुगतान न करेगा, विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम गुरुफ नगर उर्फ बगियामऊ, अधिनागरीय क्षेत्र के विशिष्ट ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सर्विस टैट रु० १,००,०००/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब से विक्रीत भूमि ०.६१६ हेक्टेयर की मालियत रु० ६,६४,४००/- होती है, चूंकि विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु०

For Signature/Stamp to be filled by the Officer.

लु. वि. वि. म. म. म.

For Signature/Stamp to be filled by the Officer.



1.15,700/- जनरल स्लाम अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए कत की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मी० के अर्धवृत्त में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि शहीद मघ से लगभग एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रीत अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं हैं। इस विहवा विलेख के निबन्धन का समस्त व्यय जेता द्वारा वहन किया गया है।

For Officer In-charge & Secretary to Govt.
 [Signature]
 D.O. No. 100/2008

कृपया नोट करें



-9-

1,13,700/- जनरल स्टाफ अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए कब्जा की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मीटर के अर्धवृत्त में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी सड़क मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि शहीद पथ से लगभग एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विजिला अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं हैं। इस विजिला विजिला के निवन्धन का समस्त कार्य जिला द्वारा वहन किया गया है।

For District Collector & District Officer, J. & K.

[Signature]

D.D. Main Branch

[Signature]

लिहाजा यह विज्ञान पत्र हम विज्ञान ने केला के पत्र ने
लिखा दिया ताकि सनाद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम
आने।

परिशिष्ट : विक्रयशुद्ध सम्पत्ति का विवरण

भूमि सत्यापित वार्षिक खतीनी सन् 1408 से 1413
फसली के खाता खतीनी क्रम सं० 139 के खसरा संख्या-291,
रकबा 0.616 हेक्टेअर, स्थित ग्राम खुलुफ नगर उपर्युक्त बगियामऊ,
परगना-बिजनौर, तहसील व जिला- लखनऊ जिसकी धोरद्वी
निम्न है।

खसरा न० 291

पूरुब : खसरा संख्या-298, 305
पश्चिम : खसरा संख्या-292
उत्तर : खसरा संख्या-297 व 292
दक्षिण : खसरा संख्या-290

For Deposit Thakur & Co. Private Ltd. 14


J. K. Singh, Vice President



परिशिष्ट : गुगलान विवरण

कुल रु० 11,56,522/- (ग्यारह लाख छम्पन हजार पाँच सौ बाईस रुपैया मात्र) विमोता ने मोता से नगद प्राप्त किये तथा जिसकी प्राप्ति विमोता स्वीकार करता है।

ललनक

दिनांक: 15.12.2004

गवाह

1. श्रीगुरुदत्त सिंह, डेपुटी कमिश्नर
उत्तर प्रदेश सरकार

सुपरीम कोर्ट
विमोता

2. *Sundar Kumar Singh*
AB & Anja Singh

प्रमाणित किया गया
मुख्य न्यायाधीश
मुख्य न्यायाधीश

गवाह

4
(राम लाल)

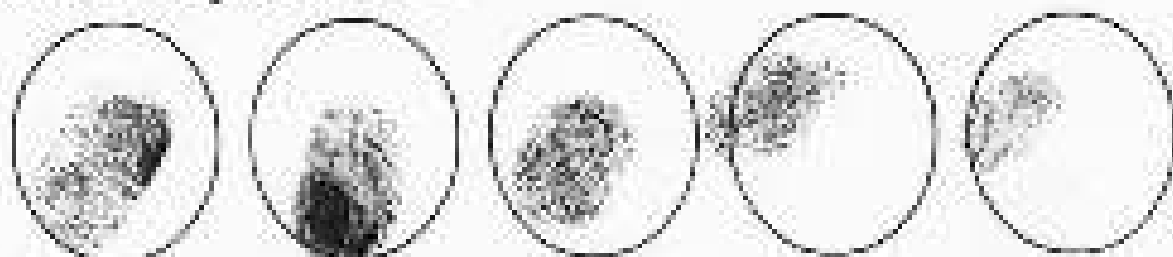
महामहोदय

(महोदय श्रीवास्तव)
एडवोकेट

रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 (3) के अनुपालन हेतु,

फिंगर प्रिंट्स

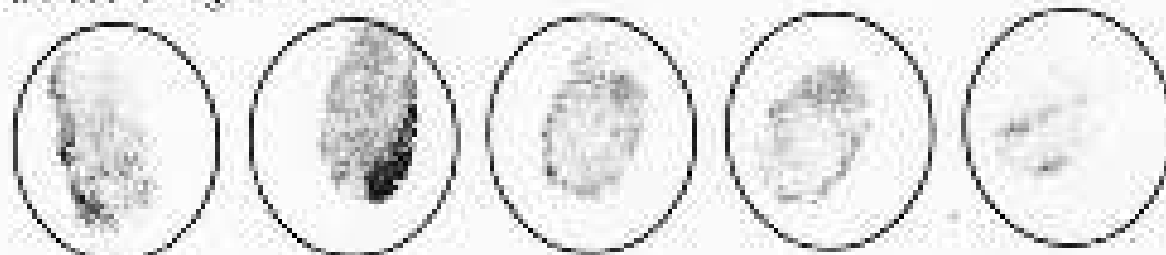
प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता नाम व पता :- श्री. श्री. राज. सिंह, निवासी, बंगला, बंगला, बंगला
जिला - बंगला, मजरा - बंगला, पोस्ट - बंगला, पिन कोड - बंगला
 नारंग हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



बाहिरे हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/सेला के हस्ताक्षर
 विक्रेता/सेला नाम व पता :- श्री. श्री. राज. सिंह, निवासी, बंगला, बंगला, बंगला
जिला - बंगला, मजरा - बंगला, पोस्ट - बंगला, पिन कोड - बंगला
 नारंग हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



बाहिरे हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



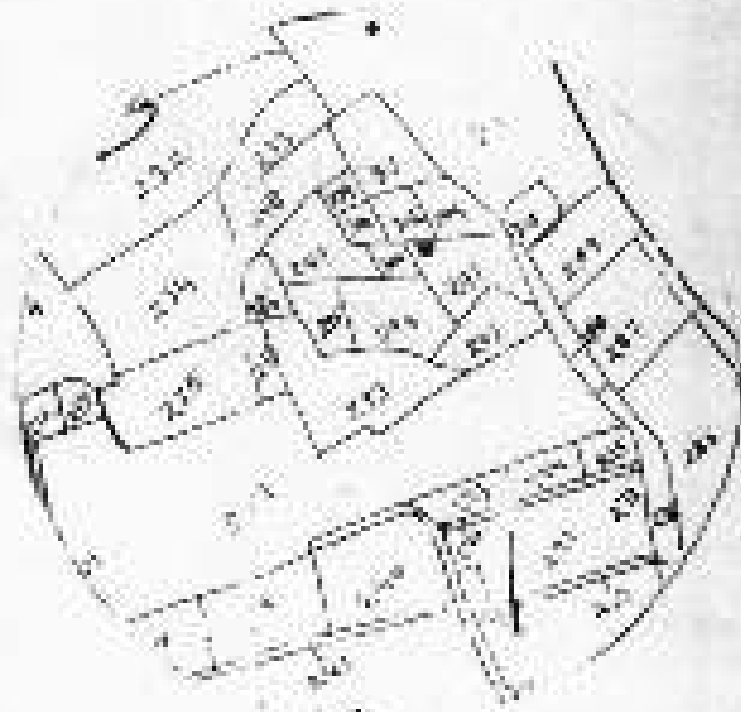
For Signature Verification

विक्रेता/सेला के हस्ताक्षर
श्री. श्री. राज. सिंह

नक्शा नजरी

ग्राम : भुम्लुवा, जिला : सिंगभरम
 खालरा नं० : २११
 पंचायत : ०.५५६
 पंचायत नं० : १६६६६

निकलित सम्पत्ति के समीप स्थित समस्त सम्पत्तियों का विवरण



२०/०५/०५
 २०/०५/०५

For Amara Thana, २०/०५/०५
 २०/०५/०५
 २०/०५/०५



प्राप्त दिनांक 11/12/06
 पुस्तक क्रमांक 659
 पृष्ठांश 106 का पृष्ठ 659
 शीर्षक ...

उप निदेशक (पुस्तक)
 लखनऊ